दिग्विजयनाथ स्नातकोत्तर महाविद्यालय
गोरखपुर-273001
(नैक प्रत्यायित 'B' श्रेणी)
सम्बद्ध
दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर

☎ : 0551-2334549
फैक्स नं0 : 0551-2334549
: 9792987700
e-mail : dnpggkp@gmail.com
website : www.dnpgcollege.edu.in

दिनांक 22.04.2019

आई.क्यू.ए.सी. एवं कंप्यूटर विज्ञान विभाग के सयुंक्त तत्वाधान में आयोजित दस-दिवसीय कार्यशाला जो 22 अप्रैल 2019 से 1 मई 2019 तक आयोजित है का उद्घाटन दिनांक 22 अप्रैल 2019 को महाविद्यालय के संवाद कक्ष में आयोजित हुआ । जिसके मुख्य अतिथि क्षेत्रीय उच्च शिक्षा अधिकारी डॉ अश्वनी कुमार मिश्र जी थे। डॉ. मिश्रा जी ने महाविद्यालय के शिक्षकों को नैक मूल्यांकन जो जुडी जानकारी प्रदान की । उन्होंने कहा की अब कॉलेजों के नैक मूल्यांकन में छात्र-छात्राओं की भूमिका अहम होगी। एसएसएस यानी स्टूडेंट सैटिस्फेक्शन (छात्रों की संतुष्टि) सर्वे के आधार पर संस्थानों का मूल्यांकन होगा। इसके लिए कॉलेज में नैक की पियर टीम के विजिट से पहले नामांकित कुल छात्रों में से 60 फीसदी की डिटेल जानकारी सौंपनी होगी। इसके लिए सभी के पास ईमेल आईडी होना जरूरी है। नैक मूल्यांकन में 70 फीसदी अंक छात्रों के सर्वे और एकेडमिक से लेकर अन्य गतिविधियों पर केंद्रित होगी। बाकी 30 फीसदी पियर टीम के फिजिकल वेरीफिकेशन पर आधारित होगी।

नए सेशन में छात्रों के लिए एक हफ्ते का इंडक्शन (प्रेरणा) क्लास अब नए सेशन के छात्र-छात्राओं के लिए एक हफ्ते का इंडक्शन क्लास होगा। इसमें उन्हें कोर्स की पढ़ाई के अलावा अन्य जानकारियों से परिचित कराया जाएगा। इस दौरान संस्थान से परिचित होने का छात्र-छात्राओं को मौका मिलेगा। दूसरी ओर नए शिक्षकों के लिए भी इंडक्शन क्लास होगा। इसमें उन्हें पठन-पाठन के नए तरीकों से परिचित कराया जाएगा।

डॉ. मिश्रा जी ने बताया की नैक ने इसे स्पष्ट कर दिया है कि कोई भी संस्थान केवल इस नाम से नहीं बच सकता है कि वह दूरदराज इलाके में है इसलिए वहां नामांकित छात्र-छात्राओं का ईमेल आईडी नहीं बनाया जा सका है। नैक मूल्यांकन के लिए ऑनलाइन फॉर्म कैसे भरा जाए यह जानकारी भी दी गई। संस्थानों को जवाबदेही तय करनी होगी। अद्यतन पाठ्यक्रमए कार्यशालाए शिक्षण पद्धतिए रिसर्च वर्कए मीडिया सेल से लेकर सांस्थानिक सामाजिक दायित्व का निर्वहन कर इस कॉलेज ने 'B++' ग्रेड हासिल किया है और यह उम्मीद जताई कि यह संस्थान इस बार ए प्लस हासिल करेगा। डॉ. मिश्रा जी ने यह भी जानकारी दी की कैसे होता है मूल्यांकन । राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद (नैक) विश्वविद्यालय अनुदान आयोग की शाखा है जो विश्वविद्यालयों एवं कॉलेजों की गुणवत्ता का विभिन्न आधारों पर मूल्यांकन करता है। संसाधन एवं परफार्मेंस के आधार पर नैक विश्वविद्यालयों एवं कॉलेजों को ग्रेड देता है। इसका फायदा कॉलेजों को यूजीसी द्वारा अनुदान प्राप्त करने में होता है। नैक मूल्यांकन के लिए जिन कॉलेजों ने अपनी स्थापना के तीन वर्ष पूरे कर लिए हैं या जिनके यहां डिग्री पाठ्यक्रम के दो बैच निकल चुके हैं वह आवेदन कर सकते हैं। सबसे पहले विवि या कॉलेज नैक को लेटर ऑफ इंटेंट (एलओआई) भेजता है। इसके बाद निर्धारित प्रोफार्मा पर आईईक्यूए (इंस्टीट्यूशनल एलिजिबिलिटी फॉर क्वालिटी एसेसमेंट) के

लिए आवेदन करता है। इस पर नैक की सहमति मिलने के बाद तीन महीने के भीतर कॉलेज को सेल्फ स्टडी रिपोर्ट भेजनी होती है जिसमें कॉलेज के शैक्षिकए वित्तीय एवं प्रशासनिक गतिविधियों से जुड़े समस्त विवरण का उल्लेख होता है। इसके बाद नैक की ष्पीयर टीमष सेल्फ स्टडी रिपोर्ट के आधार पर कॉलेज का निरीक्षण करती है और ग्रेड प्रदान करती है।

जो कॉलेज सेल्फ स्टडी रिपोर्ट तैयार करता है उसे दो भागों में बांटा जा सकता है। पहले में आधारभूत सुविधाओं को तथा दूसरे में शैक्षणिक गतिविधियों को शामिल किया जा सकता है। आधारभूत ढांचे में कॉलेज की प्रोफाइलए वित्तीय सहयोगए मान्यता की स्थितिए लोकेशनए संचालित पाठ्यक्रम एवं विभागए शैक्षिक लागत की जानकारी देनी होती है। शैक्षणिक गतिविधियों में कॉलेज का विजनए स्ववित्तपोषित पाठ्यक्रमए शुल्कए समेस्टरए वार्षिक या पार्टटाइम कोर्सेजए पांच वर्षो में शुरू किए गए कोर्सए सिलेबस रिवीजनए प्रोजेक्ट वर्कए अभिभावकए छात्रों या शिक्षाविदों से फीडबैक का सिस्टमए प्रवेश प्रक्रियाए क्वालीफाइंग मार्क्सए शैक्षणिक कार्य दिवसए पदों की स्थितिए छात्र-शिक्षक अनुपातए शिक्षकों की योग्यताए फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्रामए रेमेडियल एवं ब्रिज कोर्सए शोध कार्यए रिसर्च पब्लिकेशनए एनसीसी/एनएसएस आदि गतिविधियांए पुस्तकालय एवं उसमें शिक्षकों एवं छात्रों की उपस्थिति की स्थितिए पुस्तकों के प्रकार एवं संख्याए छात्रों का ड्रापआउट रेटए छात्रों केलिए वित्तीय सहयोगए सह शैक्षणिक गतिविधियांए परीक्षा परिणामए नेट आदि प्रतियोगी परीक्षाओं में चयनए प्रशासन एवं नेतृत्व क्षमता आदि शामिल हैं। उन्होंने तैयारिओं के सन्दर्भ में भी जानकारी जिसमें

1.विजन : कॉलेज का अपना विजन एवं आब्जेक्टिव होना चाहिए तथा कॉलेज के महत्वपूर्ण स्थलों पर उसे प्रदर्शित किया जाए।

2.आधारभूत संसाधन : ऑनलाइन लाइब्रेरीए छात्रों के लिए रीडिंग रूमए महिला शिक्षकों के लिए रेस्ट रूमए गर्ल्स कॉमन रूमए विभागीय कक्षए कैंटीनए पार्किंगए कंप्यूटर लैब आदि में सुधार।

3. शैक्षणिक गतिविधियां : हर शिक्षक का एनवल टीचिंग प्लानए मंथली टीचिंग रिपोर्टए ट्यूटोरियल एवं एक्स्ट्रा क्लासेजए स्टूडेंट्स फीड बैकए आईटी तकनीक का प्रयोगए सभी छात्रों के लिए बेसिक कंप्यूटर शिक्षा।

4.सह शैक्षणिक गतिविधियां : खेल कार्यक्रमए एनसीसी/एनएसएस की गतिविधियांए पूर्व छात्र परिषदए अभिभावक-शिक्षक संघए कॅरिअर काउंसलिंग सेलए छात्र समस्या समाधान सेल आदि का गठन।

5.डाक्यूमेंटेशन : सभी शैक्षणिकए सहशैक्षणिक गतिविधियों एवं उपलब्धियों का समुचित दस्तावेज तैयार करें जिसे नैक के समक्ष रखा जा सके।

कार्यक्रम के अंत में प्राचार्य डॉ शैलेन्द्र प्रताप सिंह ने आभार ज्ञापन किया एवं कार्यक्रम का संचालन आई.क्यू.ए.सी. के संयोजक डॉ राज शरण शाही जी ने किया इस अवसर पर महाविद्यालय के सभी शिक्षक एवं कर्मचारी मौजूद रहे ।

डॉ. राजशरण शाही
संयोजक
आई.क्यू.ए.सी.